"वाइब्रेंट दिग्विजय"

प्रदेश के सबसे बड़े तथा नगर का गौरवशाली इतिहास समेटे शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय साहित्यिक एवं शैक्षणिक क्षेत्र में ही अग्रणी नहीं बल्कि खेल राजनीति उद्योग जगत व्यापार जगत में भी गत 65 वर्षो से अपनी पहचान बनाए हुए हैं। इस महाविद्यालय की गौरव गाथा में जहां गजानन माधव मुक्तिबोध पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी जैसे विश्व प्रसिद्ध साहित्यकारों का अप्रतिम सृजनात्मक इतिहास रहा है । वहीं दूसरी ओर इस महाविद्यालय ने खेल राजनीति उद्योग जगत प्रशासन व्यापार जगत को अनेक प्रतिभाशाली हस्तियां दी हैं जिन्होंने न केवल देश में बल्कि विदेशों में भी महाविद्यालय की कीर्ति पताका फहरा रहे हैं इस कड़ी में दिग्विजय महाविद्यालय ने पहली बार उद्योग जगत के नामचीन उद्योगपतियों जो महाविद्यालय के पूर्व छात्र भी रहे हैं उन्हें महाविद्यालय प्रांगण में एकत्रित किया।

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दिनांक 24.12.2022 को प्राचार्य डॉ के. एल. टांडेकर के मार्गदर्शन, IQAC समिति और जनभागीदारी समिति के संयुक्त निर्देशन में प्रदेश में पहली बार किसी महाविद्यालय में इतने बड़े स्तर पर उद्योगपति एलुमनी सम्मिट का आयोजन किया गया। जिसका शीर्षक **"दिग्विजय वाइब्रेंट - औद्योगिक एल्यूमिनी मीट"** रहा। 1957 में महाविद्यालय के प्रारंभ से अब तक अध्ययनरत भूतपूर्व विद्यार्थी प्रदेश के विभिन्न औद्योगिक, सामाजिक, शासकीय एवं अन्य क्षेत्रों में कार्यरत है उन्हें महाविद्यालय के अधोसंरचना के विकास और बेहतर NAAC ग्रेडिंग के लिए भूतपूर्व विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करना, अध्ययनरत विद्यार्थियों को बेहतर संसाधन उपलब्ध कराना, रोजगार और औद्यौगिक क्षेत्र में इंटर्नशिप दिलाना मूल उद्देश्य था। कार्यक्रम में शहर के जाने-माने उद्योगपति श्री बलदेव सिंहजी भाटिया (एम.डी. दिल्ली पब्लिक स्कूल रायपुर), श्री दामोदर दास जी मूंदड़ा (एम.डी. कमल सॉल्वेंट),श्री सूर्यकांत जी गुप्ता (एम.डी. राजाराम मेज प्रोडक्ट), श्री सुनील अग्रवाल जी (एम.डी.थर्मोकेयर ग्रुप), श्री अनिल

बरडिया जी (प्रदेश संरक्षक छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स), श्री संजय चौबे जी (प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज), श्री शरद अग्रवाल जी (जिला अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज) , श्री सूरज खंडेलवाल जी (कार्यकारी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स राजनंदगांव), श्री संजय जैन जी सावा (अध्यक्ष जिला इंडस्ट्रीज एसोसिएशन), श्री सुनील पसारी जी (एमडी सनशाइन रबर प्रोडक्ट्स), श्री विनोद वोहरा जी (एम.डी. महावीर कंस्ट्रक्शन) सम्मिलित हुए।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के.एल. टांडेकर ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि प्रदेश में पहली बार किसी महाविद्यालय में इस प्रकार औद्योगिक और एलुमनी सम्मिट का आयोजन किया गया है। प्रारंभ से ही दिग्विजय महाविद्यालय प्रदेश और जिले में शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी रहा है जहां से बड़े-बड़े उद्योगपति, समाजसेवी,राजनेता और अफसर पढ़कर निकले । हम चाहते हैं कि यहां के भूतपूर्व विद्यार्थी महाविद्यालय के अधोसंरचना और बेहतरी में अपना योगदान दें ताकि आने वाली पीढ़ी के भविष्य को बेहतर बनाया जा सके। क्योंकि महाविद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है परंतु संसाधन सीमित है,संसाधन के उचित विकास और महाविद्यालय की अधोसंरचना में कुछ कमियां हैं, जिसे दूर किया जाना चाहिए।

जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री रईस अहमद शकील जी महाविद्यालय से जुड़े अपने छात्र जीवन के अनुभव को साझा करते हुए बताया कि महाविद्यालय ने कई बड़ी उपलब्धियो को हासिल किया हैं, वर्तमान समय में विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या और महाविद्यालय की सीमित कक्षों को बढ़ाने समेत अन्य अधोसंरचना की कमियों को बताते हुए अपने कार्यकाल में हुए महत्वपूर्ण कार्य को साझा करते हुए उम्मीद जताई कि महाविद्यालय के छात्र रहे उद्योगपति एलुमनी के सहयोग से महाविद्यालय को और बेहतर ढंग से विकसित किया जा सकेगा।

छत्तीसगढ़ के एकमात्र रबर उद्योग "सनशाइन रबर इंडस्ट्री" के संस्थापक श्री सुशील पसारी जी ने महाविद्यालय की क्षमताओं को पहचान कर विद्यार्थियों को वर्तमान वैश्विक परिदृश्य के अनुसार तैयार करने का मंत्र दिया तथा उन्होंने यहां से तैयार विद्यार्थियों को रोजगार देने की बात कही।

जिला इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री संतोष जैन जी सावा ने महाविद्यालय की पाठ्यक्रम को औद्योगिक आवश्यकता के अनुसार बनाने की बात रखी ।

छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश संरक्षक श्री अनिल बरडिया जी ने अपनी पैतृक परंपरा के अनुसार महाविद्यालय के विकास में हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया।

कमल सॉल्वेंट के महाप्रबंधक तथा कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री दामोदर दास जी मूंदड़ा जी ने एक उद्योगपति के लिए पूंजी तथा श्रम के संयोजन द्वारा समाज और देश के विकास के अंतर्संबंध तथा नैतिक मूल्यों का उद्योग जगत में महत्व पर विशेष बल दिया उन्होंने अपने सारगर्भित उद्बोधन में उद्योगपतियों को समाज के प्रति दायित्व के लिए सजग रहने की बात कही।

थर्मो केयर ग्रुप के महाप्रबंधक श्री सुनील अग्रवाल जी ने छात्रों को उद्योग स्थापित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करते हुए कहा की एक उद्योगपति को हमेशा नवाचार नई तकनीक इनोवेशन तथा रिस्क उठाने की प्रवृत्ति बनाए रखनी चाहिए उन्होंने छात्रों के भविष्य निर्माण के लिए महाविद्यालय की सुविधाओं में वृद्धि के लिए ढाई लाख रुपए प्रदान किए।

श्री विनोद वोहरा जी ने औद्योगिक क्षेत्र मे कौशल युक्त कामगारों कमी को उजागर करते हुए बताया कि यदि विद्यार्थियों को गुणवत्ता युक्त कौशल प्राप्त हो तो औद्योगिक क्षेत्रों को बेहतर ढंग से विकसित किया जा सकेगा।

श्री संजय चौबे ने बताया कि व्यापार के परिदृश्य में राजनांदगांव एक बेहतर जगह है क्योंकि निकट भविष्य में यहां से होते हुए विशाखापत्तनम तथा हैदराबाद तक हाईवे का निर्माण किया जाना है जिससे पोर्ट तक की पहुंच आसान हो जाएगी और एक्सपोर्ट भी सुविधाजनक होगा।

श्री शरद अग्रवाल जी ने कहा कि हम विद्यार्थियों को जॉब सीकर की जगह जाब प्रोवाइडर बनने हेतु प्रेरित करें। इस हेतु छत्तीसगढ़ चेंबर आफ कामर्स उन्हें हर संभव सहयोग प्रदान करेगा।

अंत में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री बलदेव सिंह भाटिया जी ने अपने प्रेरणादाई उद्बोधन में छात्रों को संबोधित करते हुए बताया कि उद्योगपति चाहे कितना भी धनवान हो किंतु सहृदयता विनम्रता तथा सादगी उसके जीवन का अभिन्न अंग होना चाहिए। उन्होंने महाविद्यालय के अनुभवों से अपने जीवन की उन्नति के उऋण हेतु महाविद्यालय की अधोसंरचना विकास के लिए 11 लाख रुपए अनुदान की घोषणा की । श्री सालिगराम सोनी जी स्टेट बैंक कॉलोनी राजनांदगांव ने महाविद्यालय के एलुमनी रहे अपने पुत्र स्वर्गीय अनिल सोनी की स्मृति में ₹1 लाख महाविद्यालय को प्रदान करने की घोषणा की एवं अन्य उद्योगपतियों ने महाविद्यालय में प्रतिवर्ष विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप और कैंपस इंटरव्यू की आयोजन कराना सुनिश्चित किया।

IQAC संयोजक डॉ अनीता साहा प्रेजेंटेशन के माध्यम से महाविद्यालय की अभी तक की नैक ग्रेडिंग को समझाते हुए भविष्य की संभावनाओं को भी बताया, दिग्विजय महाविद्यालय भविष्य में विश्वविद्यालय बनने का सामर्थ्य रखता है। डॉ त्रिलोक देव ने महाविद्यालय के अधोसंरचना की आवश्यकता को प्रेजेंटेशन से दर्शाया और बताया कि इन क्षेत्रों में यदि बेहतर काम किया जाए तो महाविद्यालय प्रदेश समेत देश में भी अग्रणी महाविद्यालय की श्रेणी में में सम्मिलित हो सकेगा।NAAC संयोजक डॉ के.के. देवांगन ने बताया कि एलुमिनी मीट और भूतपूर्व विद्यार्थियों से

प्राप्त होने वाले फंड से भी NAAC की ग्रेडिंग में पॉइंट मिलते हैं। साथ ही इस प्रकार के योगदान से महाविद्यालय का बेहतर विकास किया जा सकेगा।कार्यक्रम का संचालन डॉ सोनल मिश्रा एवं डॉ माजिद अली ने सम्मिलित रूप से किया गया। कार्यक्रम के अंत में श्री बलदेव सिंह भाटिया जी को **"दिग्विजय रत्न"** से सम्मानित किया गया, अन्य उद्योगपतियों को **"दिग्विजय गौरव"** स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया साथ ही महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के. एल. टांडेकर और जनभागीदारी अध्यक्ष श्री रईस अहमद शकील जी को एवं जनभागीदारी समिति के सदस्यों को **"दिग्विजय श्री"** सम्मान दिया गया। उक्त कार्यक्रम के सफल आयोजन में IQAC समिति के सदस्य डॉ डी.के. वर्मा, डॉ गुरप्रीत सिंह भाटिया, श्री चिरंजीव पाण्डेय, सुश्री रागिनी पराते एवं जनभागीदारी समिति के सदस्य श्री मो. हसन, श्री जय नारायण सिंह, श्री शरद खंडेलवाल, श्री मनीष सिंह नेताम, श्री शैलेश रामटेके, श्री महेंद्र बहादुर सिंह ,श्री हितेश गुन्नाडे ,श्री इब्राहिम ,श्री अमित चंद्रवंशी ,श्री झम्मन देवांगन ,श्री आकाश सोनी ,श्री विशु अजवानी, श्री शुभम कसार, श्री हनीफ खान, सुश्री अंशुका बहेकर, सुश्री पुष्पा सावरकर, श्री सुदेश यादव आदि सम्मिलित हुए। इस कार्यक्रम में साथ ही महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, सहायक अध्यापक, अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा।